



एआई-आधारित ज्योतिषीय ऐप्स एवं डिजिटल राशिफल का जनरेशन-Z के निर्णय-निर्माण एवं जीवनशैली पर प्रभाव: राजस्थान के कोटा संभाग के संदर्भ में

मनीष शर्मा

शोधकर्ता, पी.एचडी,

मनोविज्ञान विभाग, करियर पॉइंट विश्वविद्यालय, कोटा

एवं

शोध पर्यवेक्षक

प्रो. (डॉ) प्रीति जैन सेठी

मनोविज्ञान विभाग, स्कुल ऑफ़ आर्ट्स एण्ड हुमेनीटीज, केरियर पॉइंट विश्वविद्यालय, कोटा

सारांश

डिजिटल प्लेटफॉर्मों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट, स्वचालित कुंडली-निर्माण, वैयक्तिकृत राशिफल और ऑनलाइन ज्योतिषीय परामर्श ने पारंपरिक ज्योतिष को मोबाइल-केंद्रित उपभोक्ता सेवा में बदल दिया है। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य राजस्थान के कोटा संभाग में जनरेशन-Z द्वारा एआई-आधारित ज्योतिषीय ऐप्स और डिजिटल राशिफल के उपयोग, उन पर विश्वास तथा शिक्षा, करियर, संबंध, दैनिक योजना, उपभोग और मनःस्थिति से जुड़े निर्णयों, पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करना है। अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध-रूपरेखा अपनाता है। कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों के 18-27 वर्ष आयु वर्ग के 240 उत्तरदाताओं को आधार बनाकर एक उदाहरणात्मक सिमुलेटेड पायलट डेटासेट तैयार किया गया है। परिणाम संकेत करते हैं कि 66.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिछले छह महीनों में किसी ज्योतिषीय ऐप या डिजिटल राशिफल का उपयोग किया। सक्रिय उपयोगकर्ताओं में 69.4 प्रतिशत ने इसे आत्म-चिंतन अथवा मनःस्थिति को समझने का साधन माना, जबकि संबंध, दैनिक योजना और करियर/शिक्षा संबंधी निर्णयों पर प्रभाव क्रमशः 53.8, 48.8 और 45.0 प्रतिशत पाया गया। साथ ही 36.3 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने नकारात्मक भविष्यवाणी के बाद चिंता या दुविधा बढ़ने की सूचना दी। निष्कर्षतः डिजिटल ज्योतिष जनरेशन-Z के लिए केवल आस्था नहीं, बल्कि अनिश्चितता-प्रबंधन, पहचान-निर्माण, भावनात्मक आश्वासन और निर्णय-सहायता का मिश्रित माध्यम बन रहा है; परंतु अत्यधिक निर्भरता, पुष्टिकरण पूर्वाग्रह, गोपनीयता जोखिम और विशेषज्ञ सलाह के स्थानापन्न के रूप में उपयोग चिंताजनक हैं।

,मुख्य शब्द: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ज्योतिष, राशिफल ऐप, जनरेशन-Z, निर्णय-निर्माण, जीवनशैली, कोटा संभाग हाड़ौती।

प्रस्तावना .1

जनरेशन-Z सामान्यतः उस पीढ़ी को कहा जाता है जिसका सामाजिकरण इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और

ऑन-डिमांड डिजिटल सेवाओं के बीच हुआ है। भारत में मोबाइल और इंटरनेट की व्यापक उपलब्धता ने इस पीढ़ी के सूचना-खोज, संबंधों, मनोरंजन, शिक्षा और उपभोग व्यवहार को गहराई से प्रभावित किया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण के अनुसार 15-24 वर्ष आयु वर्ग में 96.1 प्रतिशत व्यक्ति मोबाइल फोन और 84.8 प्रतिशत व्यक्ति इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम थे। इसी प्रकार IMAI-Kantar की "Internet in India 2024" रिपोर्ट में 886 मिलियन सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं तथा ग्रामीण भारत में शहरी" भारत से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का अनुमान दिया गया है। यह डिजिटल विस्तार कोटा संभाग जैसे अर्ध-शहरी और ग्रामीण मिश्रित क्षेत्र में भी ऐप-आधारित सेवाओं के लिए अनुकूल आधार तैयार करता है।

इसी डिजिटल पारिस्थितिकी में ज्योतिषीय ऐप्स ने पारंपरिक पंचांग, अखबारी राशिफल और व्यक्तिगत ज्योतिष-परामर्श को स्वचालित, वैयक्तिकृत और चौबीसों घंटे उपलब्ध सेवा में बदल दिया है। उपयोगकर्ता जन्म-तिथि, जन्म-समय, जन्म-स्थान, संबंध-स्थिति और प्रश्न दर्ज करके त्वरित राशिफल, कुंडली, संगतता, दशा, अंक-ज्योतिष या चैट-आधारित उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। अनेक ऐप "एआई" या "व्यक्तिगत अनुशंसा" का दावा करते हैं, किंतु उनके मॉडल और भविष्यवाणी-पद्धति प्रायः पारदर्शी नहीं होते। अतः इसे वैज्ञानिक भविष्यवाणी के बजाय स्वचालित सामग्री-निर्माण और उपयोगकर्ता-व्यवहार आधारित वैयक्तिकरण के रूप में समझना अधिक उपयुक्त है।

कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ से निर्मित कोटा संभाग शिक्षा-केंद्रित नगरीय वातावरण, छोटे कस्बों और ग्रामीण समुदायों का सम्मिश्रण है। विशेषतः कोटा शहर में प्रतियोगी परीक्षार्थियों के बीच शैक्षणिक दबाव और करियर-अनिश्चितता प्रमुख अनुभव हो सकते हैं। ऐसी स्थितियों में निजी और त्वरित डिजिटल भविष्यवाणियाँ निर्णय-सहायता जैसी अनुभूति दे सकती हैं।

समस्या कथन और अध्ययन का औचित्य .2

पारंपरिक ज्योतिष पर पर्याप्त सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक विमर्श उपलब्ध है, परंतु एआई-समर्थित ऐप्स के माध्यम से प्रस्तुत डिजिटल ज्योतिष की प्रकृति भिन्न है। ऐप नोटिफिकेशन, दैनिक स्ट्रीक, व्यक्तिगत संदेश, आकर्षक भाषा, "आज क्या करें" जैसे सूक्ष्म निर्देश और सशुल्क परामर्श उपयोगकर्ता को बार-बार मंच पर लौटने के लिए प्रेरित करते हैं। यह सहभागिता मनोरंजन और आत्म-चिंतन तक सीमित रह सकती है, पर कभी-कभी शिक्षा, नौकरी, संबंध-विच्छेद, निवेश, स्वास्थ्य या यात्रा जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों में भी प्रवेश कर सकती है। समस्या यह है कि उपयोगकर्ता ऐप की वैयक्तिकृत भाषा को वस्तुनिष्ठ प्रमाण या विशेषज्ञ सलाह समझ सकता है।

इस विषय का अध्ययन तीन कारणों से आवश्यक है। प्रथम, जनरेशन-Z डिजिटल सामग्री को प्रायः निजी, त्वरित और इंटरैक्टिव रूप में ग्रहण करती है; इसलिए डिजिटल राशिफल का प्रभाव मुद्रित राशिफल से अधिक निकट और आवृत्तिमूलक हो सकता है। द्वितीय, कोटा संभाग में शहरी-ग्रामीण और शिक्षित-आकांक्षी युवाओं का विशिष्ट मिश्रण है, जिससे उपयोग के विभिन्न रूप सामने आ सकते हैं। तृतीय, जन्म-संबंधी डेटा, भुगतान विवरण और निजी चैट साझा करने के कारण गोपनीयता और उपभोक्ता-सुरक्षा का प्रश्न जुड़ता है। इस अध्ययन का उद्देश्य आस्था का

मूल्यांकन करना नहीं, बल्कि यह समझना है कि तकनीकी प्रस्तुति, मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ और स्थानीय सामाजिक संदर्भ मिलकर निर्णय-निर्माण को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

साहित्य समीक्षा .3

Risen (2016) का द्वि-प्रक्रिया मॉडल बताता है कि व्यक्ति किसी अंधविश्वासी अंतर्ज्ञान को तार्किक रूप से संदिग्ध मानते हुए भी व्यवहार में स्वीकार कर सकता है। अर्थात् “मुझे पता है कि यह निश्चित नहीं है, फिर भी सावधानी के लिए मान लेता/लेती हूँ” जैसी स्थिति निर्णयों में महत्वपूर्ण हो सकती है। Ballová Mikušková और Čavojová (2020) ने विश्लेषणात्मक चिंतन और अप्रमाणित दावों पर विश्वास के बीच नकारात्मक संबंध दर्शाया; उनके अनुसार सहज त्वरित व्याख्याएँ आलोचनात्मक परीक्षण के अभाव में अधिक विश्वसनीय प्रतीत हो सकती हैं।

Clobert, Van Cappellen, Bourdon और Cohen (2016) के प्रयोगों में सकारात्मक बनाम नकारात्मक राशिफल ने विश्वास रखने वाले प्रतिभागियों की भावनाओं, अस्पष्ट घटनाओं की व्याख्या, संज्ञानात्मक प्रदर्शन और सृजनात्मकता को प्रभावित किया। यह निष्कर्ष डिजिटल राशिफल की “स्व-पूर्ति” अथवा अपेक्षा-प्रभाव की संभावना को रेखांकित करता है। Wu, Zhang और Zhou (2023) ने चीनी राशि-वर्ष से जुड़े अंधविश्वास के संदर्भ में जोखिम-विमुखता और अत्यधिक निराशावादी विश्वासों में वृद्धि पाई। यद्यपि सांस्कृतिक संदर्भ भिन्न है, यह अध्ययन दिखाता है कि प्रतीकात्मक भविष्यवाणियाँ वास्तविक आर्थिक निर्णयों के जोखिम-मूल्यांकन को बदल सकती हैं।

Andersson, Persson और Kajonius (2022) ने ज्योतिष-विश्वास को व्यक्तित्व और संज्ञानात्मक कारकों से जोड़ा, जिससे स्पष्ट होता है कि यह विश्वास एकरूप नहीं है। Zhang और Wang (2025) ने Douyin पर पाया कि ज्योतिषीय वीडियो युवाओं के लिए पहचान, अंतरंगता और संबंधों को समझने की “सेंस-मेकिंग” प्रक्रिया का माध्यम बनते हैं।

भारतीय डिजिटल संदर्भ में IAMA-Kantar (2024) की रिपोर्ट बताती है कि 98 प्रतिशत इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने भारतीय भाषाओं में इंटरनेट का उपयोग किया और शहरी उपयोगकर्ताओं में 57 प्रतिशत ने भारतीय भाषाई सामग्री को प्राथमिकता दी। हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं में सरल, संवादात्मक ज्योतिषीय सामग्री इसलिए व्यापक पहुँच प्राप्त कर सकती है। रिपोर्ट में 42 प्रतिशत इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने यह माना कि व्यक्तिगत अनुशंसाएँ खोज का समय बचाती हैं और लगभग आधे उपयोगकर्ताओं ने विभिन्न मंचों पर एआई सुविधाओं का उपयोग आनंददायक बताया। ये प्रवृत्तियाँ संकेत देती हैं कि वैयक्तिकरण स्वयं भरोसे और निरंतर उपयोग का एक प्रेरक कारक हो सकता है।

सैद्धांतिक रूपरेखा .4

:अध्ययन चार परस्पर संबंधित अवधारणाओं पर आधारित है। पहली, “अनिश्चितता-न्यूनन” की अवधारणा है परीक्षा, करियर, संबंध या वित्तीय तनाव में व्यक्ति स्पष्ट संकेत खोजता है। ऐप का निश्चित वाक्य-विन्यास—जैसे “आज निर्णय टालें” या “नया अवसर मिलेगा”—अस्थायी नियंत्रण का अनुभव दे सकता है। दूसरी, Barnum प्रभाव है

;जिसमें सामान्य और व्यापक कथन व्यक्ति को अत्यंत निजी व सटीक प्रतीत होते हैं। तीसरी, पुष्टिकरण पूर्वाग्रह है ,उपयोगकर्ता सही प्रतीत हुई भविष्यवाणियों को याद रखता है और असंगत भविष्यवाणियों को भूल सकता है। चौथी एल्गोरिदमिक वैयक्तिकरण है, जिसमें उपयोगकर्ता की पसंद, क्लिक, प्रश्न और पूर्व संवाद के अनुसार सामग्री का स्वर तथा विषय बदलता है। इन प्रक्रियाओं के संयुक्त प्रभाव से डिजिटल राशिफल “सामान्य मनोरंजन” से “व्यक्तिगत निर्णय-सहायक” के रूप में अनुभव किया जा सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य .5

इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य हैं: (1) कोटा संभाग के जनरेशन-Z युवाओं में एआई-आधारित ज्योतिषीय ऐप्स और ,डिजिटल राशिफल की पहुँच व उपयोग-आवृत्ति का आकलन करना; (2) उपयोग के प्रमुख उद्देश्यों—आत्म-चिंतन मनोरंजन, संबंध, शिक्षा, करियर और दैनिक योजना—की पहचान करना; (3) निर्णय-निर्माण एवं जीवनशैली पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण करना; (4) उपयोग-आवृत्ति और अनुभूत प्रभाव के बीच संबंध को समझना; तथा (5) डिजिटल साक्षरता, गोपनीयता और उत्तरदायी ऐप-डिजाइन हेतु सुझाव देना।

अध्ययन की कार्यपरिकल्पनाएँ हैं: H1—उपयोग-आवृत्ति बढ़ने के साथ निर्णयों पर ज्योतिषीय सामग्री का अनुभूत प्रभाव बढ़ेगा। H2—उच्च तनाव अथवा भविष्य-अनिश्चितता महसूस करने वाले युवाओं में ऐप का उपयोग अधिक होगा। H3—डिजिटल राशिफल का सर्वाधिक प्रभाव आत्म-चिंतन, संबंध और दैनिक योजना पर होगा, जबकि वित्तीय निर्णयों पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव होगा।

शोध पद्धति .6

यह अध्ययन वर्णनात्मक-विश्लेषणात्मक तथा क्रॉस-सेक्शनल शोध-रूपरेखा पर आधारित एक मॉडल पायलट अध्ययन है। अध्ययन-क्षेत्र कोटा संभाग के चार जिले—कोटा, बूंदी, बारों और झालावाड़—हैं। लक्ष्य समूह 18-27 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी, प्रतियोगी परीक्षार्थी, युवा कर्मचारी, स्वरोजगाररत एवं नौकरी-खोजकर्ता हैं। प्रत्येक जिले से 60 उत्तरदाताओं का समान प्रतिनिधित्व मानते हुए कुल नमूना 240 रखा गया है। चयन की प्रस्तावित पद्धति स्तरीकृत उद्देश्यपूर्ण नमूना है, जिसमें लिंग, निवास-क्षेत्र और शैक्षणिक/व्यावसायिक स्थिति का संतुलन रखा जाएगा।

प्रश्नावली के चार भाग प्रस्तावित हैं: (क) जनसांख्यिकीय विवरण; (ख) ऐप/राशिफल उपयोग की आवृत्ति, मंच और भुगतान व्यवहार; (ग) विश्वास, उपयोगिता, चिंता, नियंत्रण-बोध और निर्णय-प्रभाव से संबंधित पाँच-बिंदु Likert कथन; तथा (घ) गोपनीयता और क्रॉस-चेक व्यवहार। विश्लेषण में आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, क्रॉस-टैब और ,Spearman सहसंबंध का उपयोग किया जा सकता है। वास्तविक क्षेत्रीय अध्ययन में प्रश्नावली का पायलट परीक्षण Cronbach alpha से विश्वसनीयता जाँच, सूचित सहमति और अनाम डेटा-संग्रह आवश्यक होंगे। प्रस्तुत आँकड़े वास्तविक उत्तरदाताओं से प्राप्त नहीं हैं; वे शोध-लेखन, तालिका-विन्यास और संभावित निष्कर्षों को प्रदर्शित करने के लिए सिमुलेट किए गए हैं।

डेटा प्रस्तुति और विश्लेषण .7

तालिका 1 से स्पष्ट है कि मॉडल नमूने के 240 उत्तरदाताओं में 160, अर्थात 66.7 प्रतिशत, ने पिछले छह महीनों में कम-से-कम एक बार एआई-आधारित ज्योतिषीय ऐप, वेब राशिफल या सोशल-मीडिया राशिफल का उपयोग किया। कोटा जिले में उपयोग का अनुपात 75.0 प्रतिशत रहा, जो अन्य जिलों से अधिक है। इसका संभावित कारण कोटा का अधिक शहरी, विद्यार्थी-केंद्रित और ऐप-सघन वातावरण हो सकता है। बारां में उपयोग 60.0 प्रतिशत रहा, जबकि बूंदी और झालावाड़ मध्यवर्ती स्थिति में रहे। सक्रिय उपयोगकर्ताओं में दैनिक या साप्ताहिक उपयोग करने वालों की संख्या है, जो सक्रिय उपयोगकर्ताओं का 63.1 प्रतिशत है। इससे संकेत मिलता है कि डिजिटल राशिफल कई युवाओं 101 के लिए कभी-कभार की जिज्ञासा न होकर नियमित मीडिया-रूटीन का हिस्सा हो सकता है।

तालिका 2 में प्रभाव के क्षेत्रों को दर्शाया गया है। सर्वाधिक 69.4 प्रतिशत सक्रिय उपयोगकर्ताओं ने बताया कि वे राशिफल या ऐप उत्तरों का उपयोग आत्म-चिंतन, मनःस्थिति को नाम देने अथवा भावनात्मक आश्वासन के लिए करते हैं। 53.8 प्रतिशत ने संबंधों और संगतता से जुड़े विचारों पर प्रभाव स्वीकार किया। दैनिक योजना या शुभ समय से संबंधित प्रभाव 48.8 प्रतिशत तथा करियर/शिक्षा संबंधी प्रभाव 45.0 प्रतिशत है। खरीद अथवा व्यय पर प्रभाव 31.9 प्रतिशत होने से H3 को आंशिक समर्थन मिलता है।

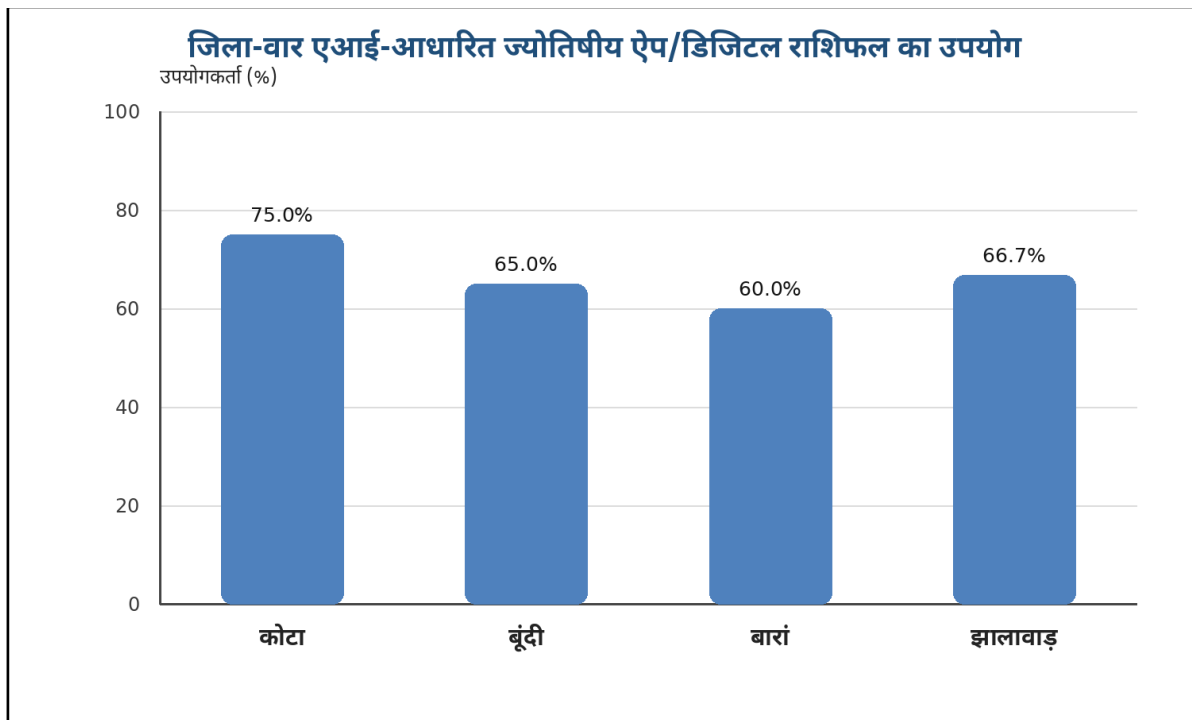
सकारात्मक पक्ष में डिजिटल राशिफल अस्पष्ट भावनाओं को भाषा देने, बातचीत शुरू करने, आत्म-अवलोकन और अस्थायी तनाव-नियंत्रण में सहायक अनुभव हो सकता है। किंतु 36.3 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं द्वारा नकारात्मक भविष्यवाणी के बाद चिंता या दुविधा बढ़ने की सूचना महत्वपूर्ण है। 24.4 प्रतिशत ने ऐप के निर्देश की अनदेखी करने पर असहजता या अपराधबोध जैसा अनुभव बताया। दूसरी ओर 63.8 प्रतिशत उपयोगकर्ता महत्वपूर्ण निर्णय से पहले परिवार, शिक्षक, विषय-विशेषज्ञ अथवा अन्य स्रोत से क्रॉस-चेक करते हैं, जो डिजिटल सामग्री के प्रति पूर्ण समर्पण के बजाय मिश्रित एवं वार्तालापात्मक उपयोग को दर्शाता है।

:उपयोग-आवृत्ति और प्रभाव के बीच मॉडल विश्लेषण में मध्यम सकारात्मक संबंध की प्रवृत्ति दिखाई देती है नियमित उपयोगकर्ता ऐप संदेशों को दैनिक योजना, संबंध और करियर-विचार में अधिक शामिल करते हैं। इसे कारणात्मक संबंध नहीं माना जा सकता, क्योंकि अधिक विश्वास रखने वाला व्यक्ति पहले से ही अधिक बार ऐप खोल सकता है। अतः वास्तविक शोध में अनुदैर्घ्य डिजाइन या प्रयोगात्मक विधि की आवश्यकता होगी।

तालिका 1: जिला-वार नमूना एवं डिजिटल ज्योतिष उपयोग का उदाहरणात्मक वितरण

जिला	कुल नमूना	पिछले 6 माह में उपयोग	उपयोग प्रतिशत	दैनिक/साप्ताहिक उपयोग	सशुल्क परामर्श
कोटा	60	45	%75.0	31	17
बूंदी	60	39	%65.0	24	11
बारां	60	36	%60.0	21	9
झालावाड़	60	40	%66.7	25	12
कुल	240	160	%66.7	101	49

स्रोत: उदाहरणात्मक/सिमुलेटेड पायलट डेटासेट, $n=240$

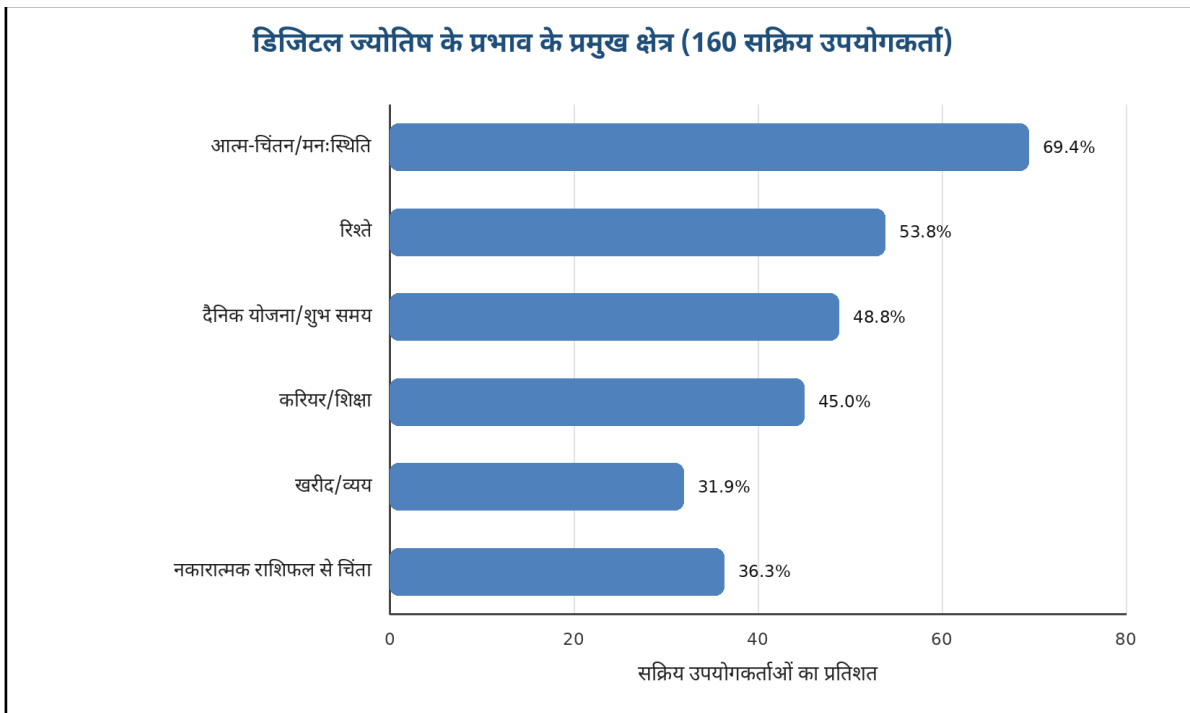


ग्राफ 1: जिला-वार डिजिटल ज्योतिष उपयोग प्रतिशत

तालिका 2: सक्रिय उपयोगकर्ताओं में निर्णय-निर्माण एवं जीवनशैली पर प्रभाव

प्रभाव/व्यवहार का क्षेत्र	उत्तरदाताओं की संख्या (n=160)	प्रतिशत	व्याख्या
आत्म-चिंतन/मनःस्थिति	111	%69.4	भावनाओं को समझने या आश्वासन हेतु उपयोग
रिश्ते एवं संगतता	86	%53.8	संबंधों की व्याख्या या निर्णय पर प्रभाव
दैनिक योजना/शुभ समय	78	%48.8	कार्य, यात्रा या संवाद का समय चुनना
करियर/शिक्षा	72	%45.0	विषय, परीक्षा, नौकरी या अवसर पर विचार
खरीद/व्यय	51	%31.9	खरीद अथवा खर्च टालना/बढ़ाना
नकारात्मक राशिफल से चिंता	58	%36.3	दुविधा, तनाव या निर्णय-विलंब
निर्देश न मानने पर असहजता	39	%24.4	अपराधबोध या संभावित हानि का डर
परिवार/विशेषज्ञ से क्रॉस-केच	102	%63.8	महत्वपूर्ण निर्णय से पहले अन्य सलाह लेना

टिप्पणी—एक उत्तरदाता एक से अधिक प्रभाव-क्षेत्र चुन सकता था; इसलिए प्रतिशतों का कुल योग 100 प्रतिशत नहीं है।



ग्राफ 2: डिजिटल ज्योतिष के प्रभाव के प्रमुख क्षेत्र

चर्चा .8

डिजिटल ज्योतिष को केवल “विश्वास बनाम अविश्वास” की द्विआधारी श्रेणी में समझना अपर्याप्त है। जनरेशन-Z इसे मनोरंजन, आत्म-परिचर्चा और मित्रों से संवाद के रूप में अपनाती है, पर तनावपूर्ण समय में यही सामग्री निर्णय-संकेत बन सकती है। वैयक्तिकृत भाषा “एल्गोरिदमिक अधिकार” का आभास पैदा करती है और सामान्य कथन भी अत्यधिक सटीक लग सकते हैं।

,कोटा के शैक्षणिक वातावरण में यह प्रभाव विशेष संवेदनशील है। परीक्षा-परिणाम, विषय-चयन, कोचिंग परिवर्तन मित्रता, घर लौटने या परीक्षा देने के समय जैसे निर्णय उच्च चिंता से जुड़े होते हैं। राशिफल से मिला सकारात्मक संदेश आत्मविश्वास बढ़ा सकता है, जैसा Clobert आदि के अपेक्षा-प्रभाव संबंधी निष्कर्षों से संकेत मिलता है; किंतु ,नकारात्मक संदेश तैयारी और तर्कसंगत जोखिम-मूल्यांकन को बाधित कर सकता है। इसलिए प्रभाव संदेश की दिशा उपयोगकर्ता के पूर्व विश्वास और नियंत्रण-बोध पर निर्भर करता है।

ग्रामीण और कस्बाई उपयोगकर्ताओं के लिए हिंदी/स्थानीय भाषा और घर बैठे परामर्श आकर्षक हैं। किंतु सीमित मीडिया साक्षरता के कारण विज्ञापन, स्वचालित उत्तर और विशेषज्ञ सलाह का अंतर धुंधला हो सकता है। डर-आधारित सूचनाएँ और बार-बार भुगतान का आग्रह आर्थिक शोषण का जोखिम बढ़ाते हैं।

जीवनशैली स्तर पर प्रभाव सुबह की नोटिफिकेशन जाँच, शुभ रंग/अंक के अनुसार चुनाव, सोशल मीडिया पर राशि-आधारित पहचान, मित्रता-संगतता, तथा नींद से पहले भविष्यवाणी पढ़ने जैसे व्यवहारों में दिखाई दे सकता है। ये गतिविधियाँ हानिरहित आत्म-अभिव्यक्ति भी हो सकती हैं; समस्या तब उत्पन्न होती है जब वे स्वायत्तता घटाएँ, चिंता

बढ़ाएँ या चिकित्सा, कानूनी, शैक्षणिक और वित्तीय विशेषज्ञता का स्थान लेने लगे।

प्रमुख निष्कर्ष .9

इस मॉडल अध्ययन से पाँच प्रमुख निष्कर्ष निकलते हैं। पहला, डिजिटल ज्योतिष की पहुँच व्यापक है और दो-“तिहाई उत्तरदाता किसी न किसी रूप में इसका उपयोग करते हैं। दूसरा, उपयोग का प्राथमिक क्षेत्र “भविष्य बताना भर नहीं, बल्कि आत्म-चिंतन और भावनात्मक अर्थ-निर्माण है। तीसरा, संबंध, दैनिक योजना और करियर/शिक्षा जैसे वास्तविक निर्णय-क्षेत्रों में प्रभाव उल्लेखनीय है। चौथा, सकारात्मक आश्वासन के साथ नकारात्मक भविष्यवाणियों से चिंता, निर्णय-विलंब और निर्भरता भी उत्पन्न हो सकती है। पाँचवाँ, अधिकांश उपयोगकर्ता अभी भी परिवार या विशेषज्ञ से क्रॉस-चेक करते हैं; इसलिए प्रभाव पूर्ण प्रतिस्थापन की तुलना में मिश्रित निर्णय-प्रक्रिया के रूप में अधिक दिखाई देता है।

सुझाव .10

शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल एवं निर्णय साक्षरता कार्यक्रमों में एल्गोरिदमिक वैयक्तिकरण, पुष्टिकरण पूर्वाग्रह और Barnum प्रभाव के सरल उदाहरण शामिल किए जाने चाहिए। विद्यार्थियों को यह सिखाया जाए कि राशिफल को आत्म-चिंतन या मनोरंजन की सामग्री के रूप में देखा जा सकता है, परंतु प्रवेश, करियर, निवेश, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के निर्णय प्रमाण-आधारित विशेषज्ञ सलाह से किए जाएँ।

ऐप विकासकर्ताओं को स्पष्ट अस्वीकरण, भविष्यवाणी की सीमाएँ, एआई उपयोग की पारदर्शिता, डेटा-संग्रह, का उद्देश्य, डेटा हटाने का विकल्प और आयु-उपयुक्त सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। भय पैदा करने वाली पुश सूचनाओं तुरंत भुगतान करें अन्यथा हानि होगी” जैसी डार्क-पैटर्न रणनीतियों तथा संवेदनशील उपयोगकर्ताओं को लक्षित पुनः-“विपणन पर नियंत्रण आवश्यक है।

माता-पिता, शिक्षक और परामर्शदाता उपहास के बजाय संवादात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। ज्योतिषीय सामग्री पर कठोर मजाक उपयोगकर्ता को गोपनीय और अविश्वसनीय स्रोतों की ओर धकेल सकता है। बेहतर रणनीति यह पूछना है कि उपयोगकर्ता किस समस्या का उत्तर खोज रहा है और उसके लिए कौन-सा प्रमाण, विशेषज्ञ या विकल्प उपलब्ध है। शोध स्तर पर कोटा संभाग में वास्तविक बहु-स्तरीय नमूना, लिंग और शहरी-ग्रामीण तुलना, परीक्षा-तनाव मापन ऐप-उपयोग लॉग तथा गुणात्मक साक्षात्कार के साथ मिश्रित-पद्धति अध्ययन किया जाना चाहिए।

अध्ययन की सीमाएँ .11

प्रस्तुत अध्ययन की सबसे बड़ी सीमा इसका सिमुलेटेड पायलट डेटा है; इसलिए प्रतिशतों को कोटा संभाग की वास्तविक जनसंख्या पर सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता। क्रॉस-सेक्शनल डिजाइन कारण और परिणाम को अलग नहीं करता। स्व-रिपोर्ट में सामाजिक वांछनीयता तथा स्मृति-त्रुटि संभव है। “एआई-आधारित” शब्द भी ऐप-दर-ऐप भिन्न हो सकता है; कुछ सेवाएँ वास्तविक मशीन लर्निंग, कुछ नियम-आधारित गणना और कुछ मानव ज्योतिषी की चैट

का मिश्रण उपयोग करती हैं। भविष्य के अध्ययन में ऐप की तकनीकी श्रेणी, भुगतान मॉडल और उपयोगकर्ता-अनुभव का स्वतंत्र सत्यापन आवश्यक है।

निष्कर्ष .12

एआई-आधारित ज्योतिषीय ऐप्स और डिजिटल राशिफल जनरेशन-Z के डिजिटल जीवन में परंपरा और तकनीक के संलयन का उदाहरण हैं। कोटा संभाग के संदर्भ में इनका आकर्षण भविष्य-अनिश्चितता, शिक्षा और करियर दबाव संबंध-संबंधी जिज्ञासा, हिंदी सामग्री की उपलब्धता और त्वरित वैयक्तिकृत उत्तरों से जुड़ा दिखाई देता है। ये ऐप आत्म-चिंतन, आश्वासन और संवाद को सहारा दे सकते हैं, परंतु उनकी भाषा और वैयक्तिकरण उपयोगकर्ता को वैज्ञानिक वैधता से अधिक निश्चितता का अनुभव करा सकते हैं। इसलिए मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि युवा ज्योतिष देखते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि वे उसे किस स्तर की प्रामाणिकता देते हैं, किस प्रकार के निर्णयों में शामिल करते हैं और क्या उनके पास वैकल्पिक प्रमाण-आधारित सहायता उपलब्ध है। संतुलित नीति का लक्ष्य सांस्कृतिक अभ्यास को नकारना नहीं, बल्कि स्वायत्त निर्णय, आलोचनात्मक सोच, गोपनीयता और उपभोक्ता-सुरक्षा को सुदृढ़ करना होना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. एंडरसन, आई., पर्सन, जे., एवं काजोनियस, पी. जे. (2022)। यहाँ तक कि सितारे भी मानते हैं कि मैं ,श्रेष्ठ हूँ: व्यक्तित्व, बुद्धिमत्ता और ज्योतिष में विश्वास। *Personality and Individual Differences*, 187 लेख 111389। <https://doi.org/10.1016/j.paid.2021.111389>
2. बालोवा निकुशकोवा, ई., एवं चावोजोवा, वी. (2020)। विश्लेषणात्मक संज्ञानात्मक शैली का सहज-विश्वासिता पर प्रभाव। *Frontiers in Psychology*, 11, लेख 584424। <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2020.584424>
3. क्लोबर्ट, एम., वैन कैपेलन, पी., बोरडॉन, एम., एवं कोहेन, ए. बी. (2016)। सिंह राशि वालों के लिए शुभ दिन: धारणा, संज्ञानात्मक प्रदर्शन और सृजनात्मकता पर राशिफल का प्रभाव। *Personality and Individual Differences*, 101, 348–355। <https://doi.org/10.1016/j.paid.2016.06.032>
4. दास, ए., शर्मा, एम. के., कश्यप, एच., एवं गुप्ता, एस. (2022)। भविष्य पर अत्यधिक ध्यान: ज्योतिष के बढ़ते उपयोग का एक अवलोकन। *International Journal of Social Psychiatry*, 68(5), 925–932। <https://doi.org/10.1177/00207640221094155>

5. फोरर, बी. आर. (1949)। व्यक्तिगत सत्यापन की भ्रांति: सहज-विश्वासिता का कक्षा-आधारित प्रदर्शन। *Journal of Abnormal and Social Psychology*, 44(1), 118–123।
<https://doi.org/10.1037/h0059240>
6. भारत सरकार, विधि एवं न्याय मंत्रालय। (2023)। *डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023*। भारत का राजपत्र।(का अधिनियम संख्या 22 2023)
7. ग्राल-ब्रॉनेक, एम., बुल्टो, एस., विक्टोरी-विग्रो, सी., बोजू जी., एवं सॉवाजे, ए. (2015)। भविष्य-कथन ,की लत: एक प्रकरण अध्ययन पर आधारित गंभीर विषय। *Journal of Behavioral Addictions*, 4(1) JBA.4.2015.1.7/10.1556/doi.org//31। <https://doi.org/10.1556/doi.org//31>
8. इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, एवं कांतार। (2025)। *भारत में इंटरनेट 2024*। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया।
9. लिलक्रिस्ट, ओ., एवं लिंडेमैन, एम. (1998)। आत्म-सत्यापन और नकारात्मक जीवन-घटनाओं से निपटने की रणनीति के रूप में ज्योतिष में विश्वास। *European Psychologist*, 3(3), 202–208।
<https://doi.org/10.1027/1016-9040.3.3.202>
10. माथुर, ए., अकार, जी., फ्रीडमैन, एम. जे., लुचेरिनी, ई., मेयर, जे., चेटी, एम., एवं नारायणन, ए.। व्यापक स्तर पर डार्क पैटर्न: 11 हजार ऑनलाइन खरीदारी वेबसाइटों के विश्लेषण से प्राप्त (2019) निष्कर्ष। *Proceedings of the ACM on Human-Computer Interaction*, 3(CSCW), लेख 81, 1–32।
<https://doi.org/10.1145/3359183>
11. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय। (2024)। *व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण, 2022–23*। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, भारत सरकार।
12. निकर्सन, आर. एस. (1998)। पुष्टिकरण पूर्वाग्रह: अनेक रूपों में पाया जाने वाला एक सर्वव्यापी मनोवैज्ञानिक व्यवहार। *Review of General Psychology*, 2(2), 175–220।
<https://doi.org/10.1037/1089-2680.2.2.175>

13. :राइज़न, जे. एल. (2016)। उस बात पर विश्वास करना जिस पर हम वास्तव में विश्वास नहीं करते ,अंधविश्वासी मान्यताओं और अन्य शक्तिशाली अंतर्ज्ञानों की स्वीकृति। *Psychological Review* rev0000017/10.1037/doi.org//2071 https:—182 ,(2)123
14. वू, एन., झांग, एक्स., एवं झोउ, डब्ल्यू. (2023)। जोखिम संबंधी प्राथमिकताओं और मान्यताओं पर अंधविश्वास का प्रभाव: चीनी राशि-वर्ष से प्राप्त प्रमाण। *China Economic Review*, 81, लेख j.chieco.2023.102043/10.1016/doi.org//102043। https:
15. झांग, एक्स., एवं वांग, वाई. (2025)। सितारों के बीच स्वाइप करना: डोउयिन पर ज्योतिष के माध्यम से पहचान और अंतरंगता के अर्थ-निर्माण का अध्ययन। *New Media & Society*। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन। https://doi.org/10.1177/14614448251344588